मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

विज्ञप्ति 26 अक्तूबर

दूसरा एशियाई लाइब्रेरी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

जाामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः में आज द्वितीय एशियाई लाइब्रेरी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ जिसमें डिजिटलीकरण के ज़रिए पुस्तकों की पंहुच हर छात्र तक पंहुचाने पर ज़ोर दिया गया। इसका आयोजन जेएमआई की डा ज़ाकिर हुसैन लाइब्रेरी ने एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन के सहयोग से किया।

इसका उद्घाटन करते हुए जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने कहा कि आज की दुनिया डिजिटल की दुनिया बनती जा रही है और जामिया मिल्लिया की लाइब्रेरी भी डिजिटलीकरण के ज़रिए हर छात्र के घर पंहुच चुकी है।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय है '' एक्सपेंडिंग डिजिटल फुटप्रिंट्सः रोल ऑफ लाइब्रेरीज़ एंड इन्फार्मेशन सेंटर ''। इसमें देश और विदेश के 300 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान 8 सत्रों में लाइब्रेरी सांइस से जुड़े छह जाने माने लोगों का विशिष्ट व्याख्यान होगा, 3 नीतिगत चर्चा होगी और 85 पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे।

इस सम्मेलन में लंदन की विख्यात ब्रिटिश लाइब्रेरी के विशेषज्ञों का एक विशेष दल आ रहा है जो ब्रिटिश लाइब्रेरी के '' डिजिटल मानकों '' पर 27 अक्तूबर को एक कार्यशाला का आयोजन करेगा।

इसके बाद 28 अक्तूबर को यूनेस्को की ओर से ''मीडिया एंड इंफार्मोशन लिटरेसी'' विषय पर दूसरी कार्यशाला आयोजित होगी।

प्रो अहमद ने कहा, यह खुशी की बात है कि जेएमआई के साथ ही अन्य विश्वविद्यालयों के पुस्तकालय भी इस कोशिश में लगे हैं कि आज के डिजिटल युग में पुस्कालयों को कैसे खुशनुमा और आसान इस्तेमाल लायक बनाया जाए। छात्रों से उन्होंने कहा कि उन्हें अब सारी सुविधाएं उपब्ध हैं ऐसे में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनके पास अब कोई बहाना नहीं है, सिवाए इसके कि वे मेहनत करें।

राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कोलकाता के महानिदेशक डा अरूण कुमार चक्रवर्ती ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि डिजिटलीकरण के चलते ये हालात बन गए हैं कि अब पैरों से चल कर लाइब्रेरी आने की ज़रूरत लगातार खत्म होती जा रही है, क्योंकि अब घर बैठे उंगलियां चला कर ही लाइब्रेरी की हर किताब पाई जा सकती है। इतनी आसानी हो जाने पर छात्रों का फर्ज़ बनता है कि वे इसका पूरा लाभ उठाते हुए अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करें।

उन्होंने इस बात को मिथ्या बताया कि पुस्तक और रिसाले पढ़ने वालों की तादाद कम होती जा रही है। उनके अनुसार मामला इसके उल्ट है क्योंकि आज बड़ी तादाद में लोग डिजिटल किताबें पढ़ रहे हैं, जो मुफ्त और आसान दोनों है। लोग घर बैठे, सफर करते डिजिटल किताबों का लुत्फ उठा सकते हैं।

जामिया हमदर्द के वाइस चांसलर प्रो सैयद एहतशाम हसनैन ने कहा कि आज पश्चिम जगत डेटा जमा करने में जुटा है। इसके ज़रिए वह लोगों तक मालूमात मुहैया करा रहा है। ऐसे में हमारे यहां के छात्रों और लोगों को भी डेटा इस्तेमाल में महारात हासिल करनी चाहिए।

इस सम्मेलन के आर्गेनाइज़िंग सेक्रट्री जेएमआई के लाइब्रेरियन डा हसन जमाल आबिदी और प्रोग्राम निदेशक दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस के डा तारिक़ अशरफ हैं। सेंट स्टीफंस कॉलेज के डा राज कुमार भारद्वाज सम्मेलन के समन्वयक हैं।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर